सकलडीहा पोस्ट ग्रेजुएट कालेज

सकलडीहा, चन्दौली

(सम्बद्ध महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी)

विवरण प्रत्रिका एवं प्रवेश निर्देशिका

कुलगीत

प्रफुल्ल शतदल-सा स्निग्ध सुरभित
विराट विद्या सदन हमारा ।
अगाध गरिमा-गरिष्ठ वीणा
निनादिनी का यह नेत्र तारा ।।

साहित्य-संस्कृति-कला-त्रिवेणी
में स्नान नव-शिव सुरम्य वसुधा ।
अतुल्य मेधा की जाह्नवी की
यहीं तरंगित अबाध धारा ।।

विभिन्न विषयों की व्योमचुम्बी
खुला विद्या स्नातकोत्तरीया ।
सुरम्य ग्रामीण अंचलावृत्त
सुज्ञान पादप का पुष्प प्यारा ।।

विकास जलभर से सांद्र पंकिल
प्रसून-परिमल से मौलि मण्डित ।
उलः स्मरण योग्य दिव्य पंडित
श्री कमलापति का तनय दुलारा ।।

प्रफुल्ल शतदल-सा स्निग्ध सुरभित
विराट विद्या सदन हमारा ।
अगाध गरिमा-गरिष्ठ वीणा
निनादिनी का यह नेत्र तारा ।।

नोट- बी०ए०- प्रथम एवं एम०ए० सेमेस्टर प्रथम की प्रवेश सूची एवं काउन्सिलिंग की संभावित तिथियों की जानकारी महाविद्यालय सूचना-पट्ट पर चस्पा की जाएगी ।

सकलडीहा पोस्ट ग्रेजुएट कालेज

सकलडीहा, चन्दौली

(सम्बद्ध महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी)

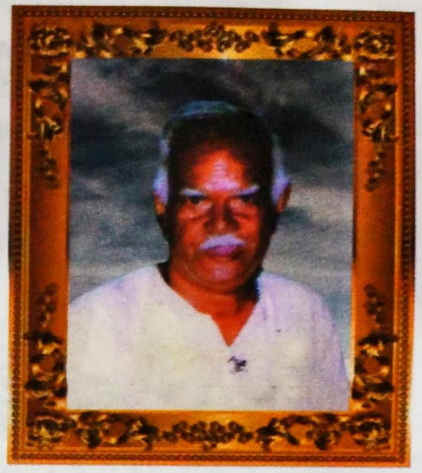

संस्थापक

प्राचार्य स्व0 पं0 राम कमल पाण्डेय जी

संस्थापक प्राचार्य स्वर्गीय पं0राम कमल पांडेय की कलम से-

उत्कृष्टता, समानता और समावेशिता ही सकलडीहा महाविद्यालय की स्थापना का सिद्धांत है, जो एक शैक्षिक पारिस्थिति की तंत्र बनाने की दिशा में महाविद्यालय परिवार के समर्पण का प्रमाण है, जो समग्र व सर्वव्यापी दृष्टि से प्रेरित है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि यहां आने वाले प्रत्येक छात्र -छात्रा का शैक्षिक सत्र उद्देश्य से भरा हो और उनके जीवन को सफल करने हेतु यह संस्थान कौशल प्रदान करे।

हमारी शिक्षा पद्धति संतुलन के दर्शन और किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं को समान रूप से विकसित करने की आवश्यकता से प्रभावित है। सकलडीहा पीजी कॉलेज सकलडीहा चंदौली की स्थापना का उद्देश्य ऐसे युवा मस्तिष्क को तैयार करने से है जो अपने वातावरण के साथ तालमेल बैठाकर सामाजिक परिवेश के प्रति संवेदनशील अनुशासित और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए सदैव तैयार हो। तथा यह महाविद्यालय परिवार अनुशासन पर आधारित ज्ञान और सहानुभूति के साथ सफलता पर जोर देगा। हमारा मानना है कि महाविद्यालय में शिक्षक ही छात्र-छात्राओं के माता-पिता हैं, तथा घर पर माता-पिता ही उनके शिक्षक होते हैं और हमारे भारत भविष्य छात्र छात्रा ब्रम्हांड के केंद्र बिंदु है। हम सब का यह दायित्व है कि हम राष्ट्र को महान बनाने में पूरी क्षमता के साथ लक्ष्य को प्राप्त करेंगे तथा छात्र-छात्राओं के ज्ञान और उज्जवल भविष्य की तरफ की जा रही यात्रा को तेज और आनंद से निरंतर परिपूर्ण करेंगे।

यथोचित स्वागत वंदन !

सकलडीहा पोस्ट ग्रेजुएट कालेज

सकलडीहा, चन्दौली

(सम्बद्ध महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी)

प्राचार्य

प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय

अनुशासन परिवार, समाज और राष्ट्र की आवश्यकता है,
बिना अनुशासन कोई भी आगे नहीं गढ़ सकता है,
अनुशासन से ही समस्याओं का समाधान है,
अनुशासन में ही विकसित होता ज्ञान है ।

सकलडीहा पोस्ट ग्रेजुएट कालेज के प्रवेश, परिवेश और परिशीलन को प्रतिबिम्बित करती यह विवरणिका महाविद्यालय के किया–कलापों की निर्देशिका है। प्रत्येक प्रवेशार्थी को इसका निरीक्षण करके तद्नुरूप आचरण करना अनिवार्य है। महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पाठ्यक्रम एवं अधिनियमों से अनुबद्ध इस महाविद्यालय की गरिमा और गुणवत्ता के प्रतिकूल कोई भी गतिविधि यहाँ अमान्य है। प्रवेश की स्वीकृति अथवा अस्वीकृति पूर्णतः प्राचार्य के अधिकार में आबद्ध रहेगी ।

सकलडीहा पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, सकलडीहा, चन्दौली
: एक परिचय

व्यक्ति का सामाजिक मनुष्य बनाने में शिक्षा का सर्वाधिक महत्व है। शिक्षा वह साधन है जिसके माध्यम से सुसंस्कृत एवं विवेक सम्पन्न लोग समाज और राष्ट्र को प्रगति मार्ग पर ले जाते है तथा नागरिकों के सामुदायिक जीवन को सभ्य समाज की सार्थकता की ओर गतिशील करते हैं। इस समूची प्रकिया में राष्ट्र के सभी सदस्यों का शिक्षित होना एक पूर्व आवश्यकता है।

यह संस्था संस्थापक 'स्व0 पं0 श्री राम कमल पाण्डेय जी' के सद् प्रयत्नों से सन् 1965 में 100 छात्रों से प्रारम्भ होकर वर्तमान में 2200 छात्रों तथा 45 प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के साथ उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हुये शिक्षा जगत की प्रमुख स्तम्भ बन गयी है। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने सन् 1965 में यहाँ हिन्दी, राजनीतिशास्त्र, संस्कृत, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी एवं भूगोल विषयों में स्नातक उपाधि के लिए पठन–पाठन की मान्यता प्रदान की।

चूँकि प्रत्येक विकासशील देश की राष्ट्रीय योजना में प्रशिक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया जाता है, ताकि राष्ट्र के भावी नागरिक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होकर जीवन व्यतीत कर सकें। इस संसथा के शुभचिन्तकों ने भी शिक्षा के स्तरोन्नयन और प्रशिक्षण की जरूरत महसूस की। उन्होंने प्रयास किया कि शहर के प्रदूषण और कोलाहल से दूर प्रकृति के सुरम्य वातावरण में सकलडीहा से शिक्षकों के प्रशिक्षण (बी0एड0) की भी व्यवस्था की जा सके। वास्तव में यह प्रयास सराहनीय था, क्योकि शिक्षक ही छात्र की अन्तर्दृष्टि को ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। इस औचित्यपूर्ण और न्यायसंगत तथ्य को सम्बद्धता प्रदाता विश्वविद्यालय ने सन् 19 73 में समझा और बी0एड0 की कक्षा चलाने की अनुमति प्रदान की। उसी वर्ष से आज तक अपने मानक में निरंतर सुधार करते हुए महाविद्यालय नें बी0एड0 के पठन पाठन में ऐसी प्रतिष्ठा प्राप्त की विश्वविद्यालय सबंध महाविद्यालयों के मध्य विभाग का एक विशेष स्थान बन गया।

कला एवं शिक्षा संकाय में स्नातक स्तर की शिक्षा के उपरान्त ग्रमीण छात्रों की सुविधा एवं क्षेत्रीय जनों की आकांक्षा को देखते हुए सत्र 1993–94 से भूगोल तथा 2000–01 से हिन्दी एवं राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर की कक्षा भी प्रारम्भ हो गयी। विद्या सत्र् 2017–18 से अंग्रेजी एवं समाजशास्त्र में स्नाताकोत्तर कक्षा प्रारम्भ कि गयी है। सत्र् 2018–19 से गृहविज्ञान में स्नातक स्तर की कक्षाएं एवं अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर प्रारम्भ की गयी है।

महाविद्यालय एक शरीर है, तो छात्र/छात्रायें उसके प्राण तत्व है। हम विश्वास के साथ उनसे आशा करते है कि इस महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर व अपनी बौद्धिक चेतना विकसित कर वयक्तित्व निर्माण करें ताकि परिवार समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए भावी पीढ़ी का मार्ग दर्शन कर सके। यह लक्ष्य नैतिक, सदगुण, प्रज्ञावान एवं प्ररिश्रमी बन कर ही प्राप्त किया जा सकता है।

1974 में छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालयों के अधिकारियों नें ध्यान दिया और महाविद्यालय को प्राचीन इतिहास, वैन्य विज्ञान विज्ञान समाजशास्त्र और मनोविज्ञान विषयों के अध्ययन–अध्यापन की अनुमति प्राप्त हुई । 1987 में यहाँ राष्ट्रीय सेवा योजना की ईकाई संचालित करने के लिए अनुमत मिल गई, 1978 से महाविद्यालय में समय–समय पर आयोजित किये जाने वाले कार्यकमों, उत्सवों, गोष्ठियों एवं विद्वत्जनों के व्याख्यानों आदि के द्वारा भी बौद्धिक उत्प्रेरणा कह चेष्टा की जाती रही है।

प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता एवं शर्ते

अधोलिखित अर्हता/शर्त पूर्ण करने पर ही स्नातक प्रवेश परीक्षा में प्राप्तांको तथा उपलब्ध सीटों के आधार पर अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है जिसके लिए अभ्यर्थी ने आवेदन दिया हो तथा प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हुआ हो ।

न्यूनतम अर्हता तथा शर्ते–

1. केवल वर्तमान एवं एक वर्ष पूर्व इण्टर या समकक्ष उत्तीर्ण छात्र–छात्राएँ ही प्रवेश हेतु आवेदन पत्र भरें।
2. हाईस्कूल तथा 10+2 अथवा समकक्ष परीक्षा के प्राप्तांकों के योग 40% अंकों सहित उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकते है ।
3. प्रवेश परीक्षा की तिथि को अभ्यर्थी की आयु 22 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये ।
4. कूट रचित, जाली प्रमाण–पत्रों के साथ किया गया आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जायेगा तथा ऐसे अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित कर दिया जायेगा ।
5. प्रवेश परीक्षा में शामिल होने से अभ्यर्थी प्रवेश का हकदार नहीं होगा । उसे पाठ्यकम सम्बन्धी अर्हता शर्तो को पूर्ण करना भी आवश्यक होगा ।
6. संस्था में प्रवेश हेतु मेरिट सूची प्रवेश प्रशिक्षा प्राप्तांको के आधार पर बनाई जायेगी ।
7. यदि किसी अभ्यर्थी को असावधानीवश प्रवेश परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी जाती है जो न्यूनतम अर्हता शर्ते पूरी नहीं करता है तो वह बाद में आधार बनाकर यह दावा नहीं कर सकेगा कि वह अर्हता शर्ते पूरी करता है/करती है।
8. प्रत्येक विषय की सीटें निर्धारित है । निर्धारित सीटें भर जाने के पश्चात उस विषय में प्रवेश नहीं मिलेगा, अन्य विषयों में ही प्रवेश संभव होगा ।
9. इस महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थी किसी अन्य शिक्षण संस्था के किसी भी पूर्णकालिक पाठ्यकम में प्रवेश नहीं ले सकेंगे । यदि ऐसा करता हुआ कोई भी प्रवेशार्थी संज्ञान में आया तो इस संस्था से निष्कासित कर दिया जायेगा।
10. महाविद्यालय किसी भी समय किसी प्रवेशार्थी का प्रवेश निरस्त/मना करने का अधिकार सुरक्षित रखता है तथा प्रवेश नियमों में परिवर्तन अथवा संशोधन कर सकता है ।
11. महाविद्यालय की प्रवेश समिति द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले प्रवेशार्थियों का प्राप्तांकों के आधार पर निर्मित श्रेष्ठता सूची के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा । आरक्षित व्यवस्था में प्रतिमान नहीं होगा । विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित संस्था के अनुसार ही प्रवेश होगा ।
12. प्रवेश में सम्मिलित सभी प्रवेशार्थी निम्नलिखितसामान्य अंक लाभ में से कोई एक अंक लाभ प्राप्त कर सकेंगे ।
    क– अनुसूचित जाति, अनु0 जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग के लिए कमशः 21 प्रतिशत, 2 प्रतिशत एवं 27 प्रतिशत (कुल 50 प्रतिशत) स्थान आरक्षित है। आवेदन पत्र के साथ सक्षम अधिकारियों द्वारा प्रदान प्रदत्त प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक होगा । प्रमाण पत्र के अभाव में आरक्षण का लाभ नहीं दिया जायेगा ।
    ख– 5 अंक लाभ एन0 सी0 सी0 के 'बी' प्रमाण पत्र धारको को जिन्होनें इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया है, दिया जायेगा ।
    ग– 10 अंक लाभ एन0 सी0 सी0 के 'सी' प्रमाण पत्र धारको को जिन्होनें इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया है, दिया जायेगा ।
    घ– कालेज के पूर्ण कालिक अध्यापकों एवं कर्मचारियों के आश्रितों (पति, पत्नी, पुत्र, पुत्री, वधू, सगा एवं सगी बहन) को भी सुविधा देय होगी ।

ङ- राज्य स्तर के उत्कृष्ट कोटि के खिलाड़ियों को 10 प्रतिशत अंक लाभ मिलेगा परन्तु इस आशय का प्रमाण पत्र प्रवेश परीक्षा आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक होगा।

च- विकलांग अभयर्थी अंक श्रेष्ठता सूची में न आने पर भी उ0प्र0 राज्य सरकार के नियमानुसार प्रवेश पा सकेंगे किन्तु उन्हे न्यूनतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। विकलांग अभ्यर्थी को विकलांगता प्रमाण पत्र के साथ जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी का इस आशय का प्रमाण पत्र परतुत करना होगा कि वे ऐसे संक्रामक रोग से ग्रस्त नही है जिससे अन्य छात्रों में फैलने की संभावना हो।

13. विशेष परिस्थितियों यथ आवेदकों की संख्या कम होने पर – महाविद्यालय बिना प्रवेश परीक्षा आयोजित किये हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट (अथवा समकक्ष) के प्राप्तांको के आधार पर मेरिट बनाकर प्रवेश पूर्ण कर सकता है।

14. स्नातकोत्तर स्तर पर विषयवार प्रवेश समिति का गठन किया जाता है। यह समिति सम्बन्धित विषय में प्रवेश हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी करती है।

15. बी0एड0 कक्षा में प्रवेश महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जायेगा। विश्वविद्यालय से प्राप्त सूची के अनुसार शासनादेश के तहत प्रवेश कार्य बी0एड0 प्रवेश समिति द्वारा सम्पन्न होगा। प्राचार्य का निर्णय अन्तिम होगा।

नोट :– इस नियमावली में किसी बात के होते हुए भी जहाँ यह पता चले कि कोई अभ्यर्थी अनुचित साधन का प्रयोग करने के कारण दण्डित किया गया है या किसी शिक्षण संस्था से निष्कासित किया गया है, वहाँ महाविद्यालय के प्राचार्य ऐसे अभ्यर्थी को विश्वविद्यालय के कुलपति की अनुमति के बिना प्रवेश देने से इंकार कर सकते हैं। ऐसे किसी भी अभ्यर्थी का बिना कुलपति की अनुमति के प्रवेश स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

प्रवेश प्रक्रिया के सामान्य नियम

1. प्रवेशार्थी महाविद्यालय के सूचना पट्ट से अपने प्रवेश की तिथि आदि की जानकारी प्राप्त करें तथा निधारित तिथि को प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपने अभिलेखों (मूल प्रमाण पत्रों) का सत्यापन करायेंगे। प्रवेशार्थी के सभी अभिलेख पूर्णत: सही पाये जाने पर उसे प्रवेश की अनुमति दी जायेगी जिसके आधार पर निर्धारित तिथि के अन्दर शुल्क जमा करना पड़ेगा।

2. यदि कोई प्रवेशार्थी समिति के समक्ष निर्धारित तिथि को उपस्थित नहीं होता है अथवा उपस्थित के समय अपने वांछित प्रमाण पत्रों की मूल प्रति नहीं प्रस्तुत करता अथवा निर्धारित तिथि को शुल्क नहीं जमा करता है तो उसे प्रवेश के अधिकार से वंचित कर दिया जायेगा तथा श्रेष्ठता सूची में उसके बाद आने वाले प्रवेशार्थियों को प्रवेश का मौका दिया जायेगा।

3. महाविद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले सभी छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय में नामांकन करना पड़ता है। इसके लिए स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र लाना अनिवार्य है। इण्टरमीडिएट व्यक्तिगत परीक्षा उत्तीर्ण छात्र को अपने पूर्व संस्था अर्थात जहाँ से हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की हो, का स्थानान्तरण प्रमाण पत्र लाना चाहिए।

4. महाविद्यालय के शुल्क काउण्टर पर निर्धारित पूर्ण शुल्क जमा करने पर रसीद एवं परिचय पत्र प्राप्त होगा। परिचय पत्र पर अपना फोटो लगाकर अनुशासनाधिकारी से प्रमाणित करा लें, परिचय पत्र बड़ी सावधानी से रखना चाहिए। इसके खो जाने पर काउण्टर पर रू0 35/– मात्र जमा करने पर द्वितीय प्रति प्राप्त की जा सकती है।

5. परिचय पत्र प्रस्तुत करने पर पुस्तकालय से निश्चित अवधि (15 दिन) के लिए पुस्तक मिलती है। प्रत्येक छात्र/छात्रा को पुस्तकालय से ली गयी पुस्तकें निर्धारित अवधि के भीतर जमा करनी होती है। ऐसा न करने पर निर्धारित तिथि के पश्चात् प्रतिदिन के हिसाब से अर्थ दण्ड देय होगा।

6. विश्वविद्यालय परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी विश्वविद्यालय के नियमों एवं परिनियमों के अनुसार केवल भूतपूर्व छात्र के रूप में ही परीक्षा में सम्मिलित हो सकते है। विश्वविद्यालय परीक्षा में न सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी भी अगले वर्ष की बी0 ए0 भाग 1/स्नाताकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की कक्षा में पुन: प्रवेश हेतु अर्ह नहीं होंगे।

7. बी0ए0 की किसी भी कक्षा में किसी अन्य महाविद्यालय में प्रवेश लिए हुए छात्र का स्थानान्तरण नहीं होगा।

पाठ्यक्रम
स्नातक कला संकाय

महाविद्यालय की समय सारिणी एवं व्यवस्था के अनुसार बी0ए0 प्रथम वर्ष सेमेस्टर पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विवरण निम्न प्रकार है–

मुख्य विषय (कला)	मुख्य विषय (भाषा)	गौड विषय	सहगामी पाठ्यक्रम	कौशल विकास/व्यावसायिक पाठ्यक्रम
अर्थशास्त्र प्राचीन इतिहास समाजशास्त्र राजनीति शास्त्र भूगोल मनोविज्ञान रक्षा अध्ययन गृहविज्ञान शारीरिक शिक्षा	हिन्दी अंग्रेजी संस्कृत	हिन्दी अंग्रेजी संस्कृत अर्थशास्त्र समाजशास्त्र राजनीति शास्त्र शारीरिक शिक्षा मनोविज्ञान	प्रथम सेमेस्टर– खाद्य पोषण एवं स्वच्छता द्वितीय सेमेस्टर– प्राथमिक चिकित्सा तृतीय सेमेस्टर– मानव मूल्य एवं पर्यावरण चतुर्थ सेमेस्टर– शारीरिक शिक्षा एवं योग पंचम सेमेस्टर– विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल अवेयरनेस षष्ट सेमेस्टर– संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास	1– रचनात्मक कौशल के गांधीवादी आयाम 2– मैनेजमेंट एण्ड डेवलपमेंट 3– कम्युनिकेशन स्किल्स 4– ई–टैक्ससेसन उपरोक्त में से किसी एक की परीक्षा प्रत्येक सेमेस्टर में उत्तीर्ण करनी होगी। (स्नातक द्वितीय वर्ष तक इस तरह चारों प्रश्न पत्र चार सेमेस्टर के अन्तर्गत पूरा करना होगा।)

नोट–

1. तृतीय मुख्य विषय को स्नातक तृतीय वर्ष में छोड़ना होगा।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में एक सहगामी पाठ्यक्रम का अध्ययन एवं परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
3. प्रत्येक सेमेस्टर में एक कौशल विकास/व्यवसायिक पाठ्यक्रम का अध्ययन अनिवार्य है। (स्नातक द्वितीय वर्ष तक)
4. स्नातक स्तर के प्रत्येक विद्यार्थी को तृतीय वर्ष (पाँचवे एवं छठवें सेमेस्टर) में लघु शोध परियोजना पूर्ण करनी होगी। यह विद्यार्थी द्वारा तृतीय वर्ष में चुने गये किसी एक विषय से सम्बन्धित होगी। इसमें उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।

स्नातक–शिक्षा संकाय

स्नातक शिक्षा संकाय का पाठ्यक्रम महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पाठ्यक्रम के अनुसार विषय विशेषज्ञों की उपलब्धता के आधार पर निर्धारित किया गया है।

स्नातकोत्तर

महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के नियमों/पिरनियमों के अनुसार स्ववित्तपोषित व्यवस्था में भूगोल, राजनीति विज्ञान, हिन्दी, समाजशास्त्र, अथशास्त्र, अंग्रेजी विषयों का पठन–पाठन होता है।

पाठ्येत्तर कार्यक्रम

(1) महाविद्यालय में क्रीड़ा एवं खेलकूद की समुचित व्यवस्था विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद की देख–रेख में की जाती है। (2) महाविद्यालय में रोवर्स एवं रेंजर्स की क्रमशः एक–एक इकाईयाँ कार्य करती हैं। (3) राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन ईकाइयों की भी व्यवस्था है, जिसमें प्रत्येक इकाई में 50 स्वयं सेवकों को प्रशिक्षण दिया जाता है। (4) समय–समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होते है तथा छात्र/छात्राओं को उत्कृष्टता क्रम में महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया जाता है तथा प्रमाण पत्र भी दिये जाते हैं।

देय शुल्कों का विवरण

विश्वविद्यालय के वार्षिक एवं अन्य शुल्क देय होंगे। सभी शुल्क एक ही किस्त में देय होंगे। भूगोल, रक्षा अध्यय एवं मनोविज्ञान, पढ़ने वाले छात्र/छात्राओं को प्रयोगशाला अवधान शुल्क के रूप में 50/– रूपये आतिरिक्त देने होंगे। समय–समय पर विश्वविद्यालय द्वारा परिवर्तित किये जाने पर शुल्क की राशि परिवर्तित की जाती है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों का भी शुल्क एक ही किस्त में देय होगा। बी0ए0 भाग 3 में पर्यटन शुल्क भूगोल तथा रक्षा अध्ययन के छात्रों को देय होगा। भूतपूर्व छात्रों को परीक्षा के आवेदन पत्र को अग्रसारित कराने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क देना होगा।

छात्र कल्याण शुल्क

महाविद्यालय मं छात्र–कल्याण कोष की व्यवस्था की गयी है, जिसमें सम्प्रेक्षण आख्या के अनुपालन में सभी छात्र/छात्राओं को दस रूपये मात्र प्रवेश के समय देना होगा। यह कोष सरकारी आदेशानुसार छात्र/छात्राओं के हित में खर्च किया जा सकेगा।

अवधान शुल्क

महाविद्यालय छोड़ने के 6 माह के पश्चात ही सामान्यतया जनवरी से जून के बीच की अवधि में दो वर्ष के अन्दर अवधान शुल्क वापस लिया जा सकता है। इस अवधि की समाप्ति के पश्चात यह धन कालेज के विकास कोष में प्रत्यावर्तित कर दिया जाता है।

विद्यार्थियों को प्राप्त सुविधाएँ

पुस्तकालय

प्राय: देखा गया है कि क्षतिग्रस्त पुस्तकें पुस्तकालय में जमा करने के लिए छात्र/छात्रायें अनावश्यक रूप से आग्रह करते हैं। ऐसा कदापि न करें। ऐसी स्थिति में पुस्तक का मूल्य जमा करना ही श्रेयस्कर होगा। पुस्तकालय आपके महाविद्यालय की सम्पत्ति है। इसकी रक्षा करना एवं सुरक्षित रखना प्रत्येक छात्र/छात्रा का पुनीत कर्तव्य है। आप पुस्ताकलय के नियमानुसार पुस्तकें प्राप्त कर सकते है। सामान्य रूचि की भी पुस्तकें प्राप्त की जा सकती है। एक साथ दो से अधिक पुस्तकें देना सम्भव नहीं हैं। एक बार में 15 दिन के लिए ही पुस्तकें प्राप्त की जा सकती है। इसके बाद पुस्तकों को अवश्य जमा कर देना होगा। जमा कर देने के बाद आवश्यकतानुसार अन्य पुस्तें अथवा उन्हीं पुस्तकों को पुन: प्राप्त कर सकते हैं। इस नियम का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है। पुस्तकालयाध्यक्ष विशेष स्थिति में किसी भी समय लौंटाने के लिए कह सकते है। उनके द्वारा निर्धारित तिथि ही पुस्तकें जमा करने की अन्तिम तिथि होगी। सन्दर्भ पुस्तकें केवल सम्बन्धित विषय के अध्यापक की संस्तुति पर ही दी जा सकेगी। वार्षिक परीक्षा के पूर्व सभी पुस्तकें वापस करनी होगी अथवा उनका मूल्य जमा करना होगा।

वाचनालय

महाविद्यालय में वाचनालय की भी व्यवस्था है। वाचनालय में प्रवेश पत्र दिखाकर विद्यार्थी समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का अवलोकन एवं अध्ययन कर सकते हैं।

देशाटन / पर्यटन

कला संकाय में भूगोल और रक्षा अध्ययन के छात्रों के लिए पर्यटन तथा शिक्षा संकाय के प्रशिक्षणार्थियों के लिए देशाटन/शैक्षिक संगोष्ठी आवश्यक है। इसका प्रबन्ध विषय से ही सम्बन्धित प्राध्यापक प्राचार्य की अनुमति से छात्र/छात्राओं के हित का ध्यान रखते हुए करेगें, क्योकि यह उनके पाठ्यक्रम का भाग है।

शुल्क मुक्ति एवं शुल्क वापसी–

कला संकाय में छात्र–छात्राओं की फीस माफ की जाती है, शुल्क मुक्ति शिक्षा विभाग के नियमों कें अनुसार ही की जाती हैं। प्राय: अर्द्धशुल्क मुक्ति हो जाती है। विशेष परिस्थितियों में ही पूर्ण शुल्क – मुक्ति ही जाती हैं। शुल्क मुक्ति छात्रवृत्ति पाने वाले छात्र/छात्राओं की शुल्क – मुक्ति नहीं दी जाती है। यदि कोई छात्र ऐसा करता है तो दण्ड नीय है। शुल्क– मुक्ति प्राप्तांको के आधार पर की जाती है। किसी अवस्था में मँहगाई शुल्क मुक्ति नहीं होती है। एक छात्र को एक ही आर्थिक सुविधा प्रदान की जा सकती है।

निर्धन छात्रकोष एवं छात्र कल्रूाण कोष

महाविद्यालय के निर्धन छात्र/छात्राओं को जिन्हें कोई भी छात्रवृत्ति अथवा शुल्क–मुक्ति नहीं प्राप्त है, इस कोषों से सहायता दी जाती है। इसके लिए निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन करके कार्यालय में निर्धारित तिथि तक जमा करना होगा

छात्रवृत्ति एवं पुस्तक सहायता

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी जाति के छात्र–छात्राओं को शासन द्वारा छात्रवृत्ति, अनावर्तक अनुदान एवं पुस्तकीय सहायता दी जाती है। प्रखर बुद्वि एवं अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन के नियमानुसार प्रदान की जाती है।

वार्षिक पत्रिका

सत्रान्त में महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका अनामिका छात्र/छात्राओं को दी जाती है। इसमें प्रकाशित होने वाले लेख प्राचार्य द्वारा निर्दिष्ट सम्पादक मंडल के सदस्यों के पास निर्धारित तिथि तक दिये जाने चाहिए। प्रकाशन सामाग्री पर्याप्त न होने पर संयुक्तांक ही प्रकाशित करना पड़ता है। प्राप्त रचनाओं को गुणवत्ता के आधार पर प्रकाशित करने अथवा न करने का पूरा अधिकार सम्पादक मण्डल एवं प्राचार्य का होगा।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र (कोड– 48047)।

महाविद्यालय में उपयुक्त केन्द्र सत्र 2018–19 से संचालित है। जिसमें समन्यवक प्रो0 शमीम राईन है। इस केन्द्र में निम्न विषय उपलब्ध है।

1– बी0 ए0 2– C.R.D. (ग्राम विकास में प्रमाण–पत्र) 3– P.G.D.R.D. ग्राम विकास में स्नातकोत्तर
4– M.H.D. हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि) 5– M.S.O. (समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि)
6– C.H.R. मानवाधिकार में प्रमाण–पत्र।

कैरियर काउंसिलिंग प्रकोष्ट

महाविद्यालय में कैरियर कांउसिंलिंग प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस प्रेकोष्ठ द्वारा विभिन्न प्रकार की कार्यशालायें आयोजित की जाती है।

कुलानुशासक एवं परिचय–पत्र

प्रत्येक छात्र–छात्रा का यह पुनीत कर्तव्य है कि महाविद्यालय परिसर में कुलानुशासक द्वारा हस्ताक्षरित परिचय–पत्र के साथ ही प्रवेश करे। नियमित छात्र/छात्रा ही कक्षा में प्रवेश करें लोग जो कालेज के विद्यार्थी नहीं है। उनसे अनुरोध है कि बिना कुलानुशासक या प्राचार्य की अनुमति के महाविद्यालय परिसर में प्रवेश न करें। व्यवस्था सुदृढ़ बनाने में सहयोग प्रदान करें आपका ही महाविद्यालय है। इसे प्रगति के पथ पर अग्रसर होने में सहायक बनें। कुलानुशासक द्वारा हस्ताक्षरित परिचय–पत्र ही मान्य होगा।

पुरातन छात्र प्रकोष्ठ

महाविद्यालय में पुरातन छात्र प्रकोष्ठ का गठन किया गया है, जिसके द्वारा समय–समय पर संगोष्ठी आयोजित की जाती है।

अनुशासन सम्बन्धी नियम

1. यदि कोई छात्र–छात्रा दुर्व्यवहार या उत्तरोत्तर कार्य विमुखता के लिए दोषी पाया जायेगा तो प्राचार्य/कुलानुशासक अपराध की प्रकृति एवं गुरूता के अनुरूप निम्न प्रकार के दण्ड दे सकते है –
   - अ. अर्थदण्ड
   - द. निलम्बन जो 6 सप्ताह से अधिक का होगा।
   - स. किसी अवधि के लिए निष्कासन जो सत्रान्त से कम न होना।
   - द. निस्सारण– जिस वर्ष दण्ड दिया गया है उसके अतिरिक्त अधिक से अधिक दो वर्ष की अवधि का हो सकेगा।
2. महाविद्यालय के किसी क्षेत्र में निरूद्देश्य इधर–उधर घमना, बरामदों में भीड़ लगाना अथवा सभाकक्ष में यत्र–तत्र दो–चार के समूह में बैठकर अमर्यादित ढ़ंग से बातें करना।
3. महाविद्यालय की किसी कक्षा या बरामदे या प्रांगण में धुमपान करना।
4. महाविद्यालय भवन की दिवारों या अन्य जगहों पर पोस्टर चिपकाना या लिखना अन्य किसी तरह की स्थायी या अस्थायी विकृति जैसे नियत स्थान के अतिरिक्त और कहीं पान खाकर थूकना या कागज आदि फेंकना।
5. महाविद्यालय के मुख्य द्वार से साइकिल या मोटर साइकिल पर चढ़कर महाविद्यालय में प्रवेश करना या बाहर निकलना।
6. किसी प्राध्यापक, अधिकारी या कर्मचारी के साथ अभद्र व्यवहार करना तथा उसके पूछने पर अपना परिचय जैसे नाम, पता आदि न बताना।
7. महाविद्यालय सम्पत्ति को किसी भी रूप में क्षति पहुँचाना।
8. महाविद्यालय प्रागंण में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का लाना और उसका अनुचित प्रयोग करना। आदि दण्डनीय अपराध माना जायेगा।
9. कक्षा समाप्त होने के बाद कालेज परिसर में घूमना अनुशासन हीनता माना जायेगा।
10. खाली समय में छात्र पुस्तकालय एवं वाचनालय में पठन–पाठन कर सकते हैं। प्रयोगात्मक सामग्रियों को छति पहुँचाने पर सामाग्री के वास्तविक मूल्य का दूना मूल्य छात्र/छात्राओं को देय होगा तथा महाविद्यालय की सम्पत्ति, भवन, टेबुल, कुर्सी, जनरेटर, इन्वर्टर, गमले आदि को छति पहुँचाने पर अर्थदण्ड रू0 500/– देय होगा।

आवेदन पत्र भरने के सम्बन्ध में निर्देश

1. अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र बड़े अक्षरों में बाल पेन से हस्तलेख में भरा जाना चाहिए। जहाँ भी सूचना बाक्स में लिखनी हो वहाँ एक बाक्स में एक ही अक्षर लिखा जाना चाहिए। बड़े अक्षरों में नाम लिखते समय नाम के प्रथम व मध्य शब्दों के बीच तथा मध्य एवं अन्तिम शब्दों के बीच या संक्षिप्त नाम के बीच एक बाक्स रिक्त (खाली) छोड़ कर लिखा जाना चाहिए। नाम के पहले श्री/श्रीमती/कुमारी आदि न लिखें। आवेदन पत्र पर अपना नाम, पिता का नाम, माता का नाम, पति का नाम और जन्मतिथि आदि का उल्लेख हाईस्कूल प्रमाण–पत्र के अनुरूप करें। किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर उनकी पात्रता निरस्त कर दी जायेगी।
2. अभ्यर्थी स्वयं प्रमाणित अद्यतन पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटोग्राफ दिये गये बाक्स में चिपकायें, स्टेपल न करें

आवेदन पत्र के साथ संलग्न किये जाने वाले प्रमाण पत्रों की सूची

1. आयु के साक्ष्य में स्वयं सत्यापित किया गया हाईस्कूल प्रमाण पत्र तथा अंक पत्र की छाया प्रति।
2. स्वयं सत्यापित इण्टरमीडिएट का अंकपत्र अथवा यदि इण्टरमीडिएट परीक्षा में शामिल हुये हो तो सम्बन्धित प्राचार्य/ केन्द्राध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रमाण–पत्र की स्वयं सत्यापित छाया प्रति।
3. जिस संवर्ग के लिए आरक्षण की माँग अथ्यर्थी द्वारा की गयी है, उसके समर्थन में सूचना पुस्तिका में उल्लिखत सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गमित जाति प्रताण–पत्र व अन्य प्रमाण–पत्रों की स्वयं प्रमाणित छाया प्रति।
4. पिछली संस्था द्वारा मूल स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (TC)

प्रवेश परीक्षा का प्रारूप

नोट– निश्चित संख्या से अधिक प्रवेश फार्म जमा होने पर प्रवेश परीक्षा करायी जायेगी।

120 मिनट अवधि का 100 वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों का एक प्रश्न–पत्र होगा जिसमें सामान्य ज्ञान, सामान्य मानसिक योग्यता, सामाजिक विज्ञान, राष्ट्रीय सुरक्षा, भूगोल, इतिहास, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, साहित्य तथा सामान्य विज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न होंगे।

प्रवेश परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर देने की विधि

1. परीक्षा के प्रारम्भ में प्रश्न पुस्तिका दी जायेगी।
2. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के अन्दर ही परिक्षार्थी को आश्वस्त हो जाना चाहिये कि उनके प्रश्न पत्र में सभी पृष्ठ मौजुद हैं और कोई भी प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी तत्काल सूचना कक्ष निरीक्षक को देकर दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लेनी चाहिए।
3. परीक्षार्थी को अपना अनुकमांक प्रश्न पत्र के निर्दिष्ट स्थान पर काले बाल पेन से लिखना होगा।
4. प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर 1,2,3, व 4 होंगे। परीक्षार्थी उनमें जिसे सही उत्तर समझता है उसे उस विकल्प का चयन करना है तथा उसके सम्मुख बने खाने (☐) में सही का चिन्ह (✓) लगाना है।
   उदाहरण– यदि प्रश्न संख्या 4 के वैकल्पिक उत्तरों (1), (2), (3) में से परीक्षार्थी सही उत्तर के लिए (2) का चयन करता है, तो उसे पुस्तिका में विकल्प संख्या (2) के सामने बने खाने पर सही का चिन्ह (✓) लगाना है।

मूल्यांकन एवं परीक्षाफल

1. प्रवेश परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के बहुविल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर के लिए 2 अंक प्रदान किये जायेंगे तथा जिन प्रश्नों को नहीं किया गया है उन पर शून्य अंक प्रदान किये जायेगें ।
2. अभ्यर्थी का चयन प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर होगा यदि वह न्यूनतम योग्यता कि अर्हता पूर्ण करता है।
3. समान इन्डेक्स होने पर अधिक आयु वाले अभ्यर्थी को वरीयता दी जायेगी ।

प्रवेश प्रक्रिया

प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो जायेगी । परीक्षाफल महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर निश्चित तिथि को देखा जा सकता है ।

महाविद्यालय परिवार
कला संकाय

प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय		प्राचार्य	
1.	प्रो0 प्रमोद कुमार सिंह	प्रोफेसर	अंग्रेजी
2.	प्रो0 दयानिधि सिंह यादव	प्रोफेसर	हिन्दी
3.	प्रो0 उदय शंकर झा	प्रोफेसर	संस्कृत
4.	प्रो0 इन्द्रदेव सिंह	प्रोफेसर	अर्थशास्त्र
5.	प्रो0 विजेन्द्र सिंह	प्रोफेसर	रक्षा अध्ययन
6.	प्रो0 शमीम राईन	प्रोफेसर	राजनीति शास्त्र
7.	प्रो0 रजनीश कुवंर	प्रोफेसर	रक्षा अध्ययन
8.	श्री संदीप कुमार सिंह	असि0 प्रो0	भूगोल
9.	डॉ0 राजेश कुमार यादव	असि0 प्रो0	बी0एड0
10.	डॉ0 अजय कुमार सिंह यादव	असि0 प्रो0	बी0एड0
11.	डॉ0 इन्द्रजीत सिंह	असि0 प्रो0	बी0एड0
12.	प्रो0 महेन्द्र प्रताप सिंह	प्रोफेसर	भूगोल
13.	श्री यज्ञनाथ पाण्डेय	असि0 प्रो0	हिन्दी
14.	डॉ0 सीता मिश्रा	असि0 प्रो0	मनोविज्ञान
15.	डॉ0 दयाशंकर सिंह यादव	एसोसिएट प्रो0	समाजशास्त्र
16.	श्री अजय कुमार यादव	असि0 प्रो0	पुस्ताकालय
17.	श्री जितेन्द्र यादव	असि0 प्रो0	हिन्दी
18.	श्री श्यामलाल सिंह यादव	असि0 प्रो0	शारीरिक शिक्षा
19.	श्रीमती वन्दना	असि0 प्रो0	मनोविज्ञान
20.	डॉ0 अमन मिश्रा	असि0 प्रो0	अर्थशास्त्र

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत कार्यरत प्राध्यापकगण

1.	डॉ0 पवन कुमार ओझा	असि0 प्रो0	राजनीति शास्त्र
2.	डॉ0 उमेश कुमार चतुर्वेदी	असि0 प्रो0	हिन्दी
3.	डॉ0 अनिल कुमार तिवारी	असि0 प्रो0	राजनीति शास्त्र
4.	डॉ0 सुशील कुमार सिंह	असि0 प्रो0	भूगोल
5.	डॉ0 अभय कुमार वर्मा	असि0 प्रो0	भूगोल
6.	डॉ0 विकास कुमार जायसवाल	असि0 प्रो0	भूगोल
7.	डॉ0 मनीष कुमार	असि0 प्रो0	समाजशास्त्र
8.	डॉ0 प्रमोद कुमार पाण्डेय	असि0 प्रो0	हिन्दी
9.	डॉ0 प्रीतम उपाध्याय	असि0 प्रो0	समाजशास्त्र
10.	डॉ0 योगेन्द्र तिवारी	असि0 प्रो0	अर्थशास्त्र
11.	डॉ0 मीनू श्रीवास्तव	असि0 प्रो0	अर्थशास्त्र
12.	श्रीमती मीनू जायसवाल	असि0 प्रो0	गृहविज्ञान
13.	डॉ0 रीता वर्मा	असि0 प्रो0	गृहविज्ञान

शिक्षणेत्तर वर्ग

1.	श्री अरूण प्रकाश पाठक	कार्यालय अधीक्षक
2.	श्री अखिलेश पाण्डेय	वरिष्ठ आंकिक
3.	श्री दीपक कुमार दूबे	रूटीन क्लर्क
4.	श्री भरत कुमार	रूटीन क्लर्क
5.	श्री राहुल यादव	रूटीन क्लर्क
6.	श्री कविन्द्र नारायण	रूटीन क्लर्क
7.	श्री संतोष कुमार सिंह	रूटीन क्लर्क
8.	श्रीमती सरिता देवी	आशु लिपिक
9.	श्री बृजेश यादव	प्रयोगशाला सहायक
10.	श्री आलोक सिंह	प्रयोगशाला सहायक
11.	श्री रामधनी पाण्डेय	प्रयोगशाला सहायक
12.	श्री कैलाश सिंह	प्रयोगशाला सहायक
13.	श्री वार्ष्णेण प्रसाद	परिचारक
14.	श्री मुराहू राम	परिचारक
15.	श्री भोजू राम	परिचारक
16.	श्री हीरालाल	परिचारक
17.	श्री अनिल कुमार यादव	परिचारक
18.	श्री घनश्याम राम	परिचारक
19.	श्री विनोद कुमार यादव	परिचारक
20.	श्री चन्द्रशेखर	परिचारक
21.	श्री बनारसी	परिचारक
22.	श्रीमती विजय लक्ष्मी	परिचारक
23.	श्रीमती साधना जायसवाल	परिचारक
24.	श्री भैयालाल	चौकीदार

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत कार्यरत शिक्षणेत्तर कर्मचारी

1.	श्री अतुल कुमार पाण्डेय	वरिष्ठ लिपिक
2.	श्री विनय कुमार	कम्प्यूटर आपरेटर
3.	श्री शुभम सिंह	लिपिक
4.	श्री अभय कुमार सिंह	लिपिक
5.	श्री बृजमोहन प्रसाद	परिचारक
6.	श्री गोविन्दा	सफाई कर्मी
7.	श्री रामप्रकाश यादव	गार्ड
8.	श्री श्यामलखन	परिचारक
9.	श्री रिषभ मोदनवाल	परिचारक
10.	श्री लखन कुमार	कम्प्यूटर आपरेटर
11.	श्री धर्मेन्द्र कुमार	प्रयोगशाला सहायक
12.	श्री श्यामसुन्दर	बिजली मिस्त्री
13.	श्रीमती दीपा	सफाई कर्मी

Department of Political Science
Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi
Syllabus (P.G.)

Course Name: Master in Political Science - Total Credits- 100

Semester Wise Papers (Master of Arts in Political Science)

Year	Semester	Course Code	Paper Title	Theory/ Report	Credit	Max. Marks
I	I	MPS 101	Ancient and Medieval Western Political Thought	Theory	5	100
		MPS 102	Theory of International Relation	Theory	5	100
		MPS 103	Comparative Politics: Concept and Theories	Theory	5	100
		MPS 104	Indian Political System	Theory	5	100
		MPS 105	Research Project	Project Report	4	--
I	II	MPS 201	Early Modern Political Thought	Theory	5	100
		MPS 202	Indian Political Thought	Theory	5	100
		MPS 203	Principle of Public Administration	Theory	5	100
		Optional (Any One)				
		MPS 204A	International Relations	Theory	5	100
		MPS 204B	State Politics in India	Theory		
		MPS 204C	Political Thoughts of Developing Countries	Theory		
		MPS 204D	Introduction to the Regions of Indo-Pacific	Theory		
		MPS 205	Research Project	Project Report	4	100 MPS 105 + MPS 205
I	I or II	MPS 106 or MPS 206	**One Minor Elective** (for students of other faculty) Nation Building and Political Process in India	Theory	4	100
				Total Credit (Year I)	**52**	**1000**

Year	Semester	Course Code	Paper Title	Theory/ Report	Credit	Max. Marks
2	III	MPS 301	Contemporary Political Theory	Theory	5	100
		MPS 302	Political Tradition and Recent Debates	Theory	5	100
		MPS 303	Governance and Public Policy in India	Theory	5	100
			Optional (Any One)			
		MPS 304A	India's Foreign Policy	Theory	5	100
		MPS 304B	Federal System of India	Theory		
		MPS 304C	Political Philosophy in the 20th Centaury	Theory		
		MPS 304D	Introduction to the Region of South Asia	Theory		
		MPS 305	Research Project	Project Report	4	--
2	IV	MPS 401	Research Methodology	Theory	5	100
			Optional (Any One)			
		MPS 402A	International Law	Theory	5	100
		MPS 402B	State Politics: Special Reference to U.P.	Theory		
		MPS 402C	Feminist Political Theory	Theory		
		MPS 402D	Introduction to the West Asian Countries	Theory		
			Optional (Any One)			
		MPS 403A	International Organization	Theory	5	100
		MPS 403B	Social and Political Movement in India	Theory		
		MPS 403C	Contemporary Social Theory	Theory		
		MPS 403D	Traditional -Non-Traditional Security Issues in West Asia and Indo-Pacific region	Theory		
			Optional (Any One)			
		MPS 404A	Conflict and Peace - Resolution	Theory	5	100
		MPS 404B	Regional Disputes and Security Issues in India	Theory		
		MPS 404C	Social and Political Thoughts of Ambedkar	Theory		
		MPS 404D	India-Indo Pacific and West Asia	Theory		
		MPS 405	Research Project	Project Report	4	100 MPS 305 + MPS 405
				Total Credit (Year- 2)	**48**	**900**
Total Credits- 52 + 48 = 100 (Year 1 + 2) **Total Marks = 1900 (Semester 1+ 2 +3)**						

Sem.	Paper	Title of Papers	Theory & Project	Credits
I	Paper- I	English Literature from Chaucer to Shakespeare	Theory & Project	05
	Paper- II	English Literature from Donne to Blake	Theory & Project	05
	Paper- III	English Literature From Wordsworth to Hardy	Theory & Project	05
	Paper- IV	Elementary Linguistics and the Structure of English	Theory & Project	05
II	Paper-V	Twentieth Century Literature	Theory & Project	05
	Paper-VI	Literary Criticism	Theory & Project	05
	Paper-VII	American and Canadian Literature	Theory & Project	05
	Paper-VIII	Indian English Literature OR Contemporary Indian English Novel	Theory & Project	05
III	Paper-IX	New Literatures in English	Theory & Project	05
	Paper-X	Contemporary Literary Theory	Theory & Project	05
	Paper-XI	Translation: Theory and Practice OR Literature and Environment	Theory & Project	05
	Paper-XII	Post-Colonial Theory and Literature OR Subaltern Theory and Literature	Theory & Project	05

IV	Paper- XIII	African and Caribbean Literature OR Dalit Literature	Theory & Project	05
	Paper- XIV	Indian Literature in Translation OR English Language Teaching	Theory & Project	05
	Paper-XV	Women's Writing OR Feminist Writers	Theory & Project	05
	Paper-XVI	Gender Studies OR Russian Literature in Translation	Theory & Project	05

Note: As per the guidelines of the New Education Policy 2020, the students will have to submit a combined project report/ dissertation done at the end of each year (i.e. II & IV Semester). Each project report/dissertation will carry 100 marks.

Post Graduated

Minor Elective - English

English Paper- Gandhi in Indian English Literature

Pol. Science - National Building and Political Process in India

Hindi - Hindi Cinema

Sociology - Basic Concept of Sociology

Economics - Understanding Economics

Geography - Social Media In Hindi

नोट– स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में छात्र/छात्राओं को मेजर विषय से अलग अन्य संकाय का माइनर विषय चुनना होगा ।

एम०ए द्वितीय वर्ष		नवम सेमेस्टर	अंक विभाजन	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार	क्रेडिट	लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
पंचम प्रश्न पत्र	लिखित + प्रायोगिक	4 (चार)	50	50
शोध	लघु शोध	4 (चार)	100	----
			कुल योग	600

एम०ए द्वितीय वर्ष		दशम सेमेस्टर	अंक विभाजन	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार	क्रेडिट	लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
पंचम प्रश्न पत्र	लिखित + प्रायोगिक	4 (चार)	50	50
शोध	लघु शोध	4 (चार)	100	----
			कुल योग	600

शोध संबंधित निर्देश

5

एम०ए प्रथम वर्ष / बी०ए० चतुर्थ वर्ष		सप्तम सेमेस्टर	अंक विभाजन	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार	क्रेडिट	लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
पंचम प्रश्न पत्र	लिखित + प्रायोगिक	4 (चार)	50	50
			कुल योग	500

एम०ए प्रथम वर्ष / बी०ए० चतुर्थ वर्ष		अष्टम सेमेस्टर	अंक विभाजन	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार	क्रेडिट	लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
पंचम प्रश्न पत्र	लिखित + प्रायोगिक	4 (चार)	50	50
शोध	लघु शोध	4 (चार)	100	----
			कुल योग	600

नोट- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में छात्र / छात्रा को मेजर विषय से अलग अन्य संकाय का माइनर विषय चुनना होगा।

Semester Wise Paper Structure

Year	Semester	Course code	Title of the paper	Theory/ Project	Credits	Total Marks
I	I	MGKMSOC-101	Classical Thinkers of Sociology	Theory	5	100
		MGKMSOC-102	Sociology of Change and Development	Theory	5	100
		MGKMSOC-103	Indian Sociological Thought	Theory	5	100
		MGKMSOC-104	Contemporary Issues in India	Theory	5	100
		MGKMSOC-105	Major Project-1	Project	4	-
1	II	MGKMSOC-201	Social Research and Statistics	Theory	5	100
		MGKMSOC-202	Sociology of Environment	Theory	5	100
		MGKMSOC-203	A Sociology of India B Social Anthropology	Theory	5	100
		MGKMSOC-204	Book Review and Viva-Voce	Theory	5	100
		MGKMSOC-205	Major Project-2 (Submit Project Report)	Project	4	50 Int 50 Ext
		MGKMSOC-206	Elective Minor	Theory	4	100
Credits of I + II Semester					**52**	**1000**
2	III	MGKMSOC-301	Sociological Perspective	Theory	5	100
		MGKMSOC-302	A Industrial Sociology B Social Statistics	Theory	5	100
		MGKMSOC-303	A Social Demography B Criminology and Penology	Theory	5	100
		MGKMSOC-304	A Rural Sociology B Sociology of Health	Theory	5	100
		MGKMSOC-305	Project Work-1 (Same as Ist Semester)	Project	4	-
2	IV	MGKMSOC-401	Advanced Sociological Theory	Theory	5	100
		MGKMSOC-402	A Urban Sociology B Gandhian Thought and Society C Sociology of Education	Theory	5	100
		MGKMSOC-403	A Sociology of Weaker Section B Women and Society C Sociology of Movement	Theory	5	100
		MGKMSOC-404	Practical/Viva-Voce	Practical	5	100
		MGKMSOC-405	Project Work-2 (Submit Project Report)	Project	4	50 Int 50 Ext
Credits of III + IV Semester					**48**	**900**
Total Marks for I+II+III+IV					**100**	**1900**

[4]

Semester-wise Papers (Master of Arts in Economics)

Year	Semester	Course Code	Paper Title	Theory/ Report	Credit	Max. Marks
1	I	MEC-101	Advanced Microeconomics – I	Theory	5	100
		MEC-102	Advanced Macroeconomics - I	Theory	5	100
		MEC-103	History of Economic Thought	Theory	5	100
		MEC-104	Research Methodology and Essential Statistics	Theory	5	100
		MEC-105	Research Project	Project Report	4	--
1	II	MEC-201	Advanced Microeconomics –II	Theory	5	100
		MEC-202	Advanced Macroeconomics – II	Theory	5	100
		MEC-203	International Economics	Theory	5	100
		Optional (any one) MEC-204A : Demography MEC-204B : Industrial Economics MEC-204C : Agricultural Economics MEC-204D : International Finance		Theory	5	100
		MEC-205	Research Project	Project Report	4	100 (MEC 105 + MEC 205)
1	I or II	***One Minor Elective (for Students of other Faculty)*** MEC-106 or MEC-206	: Understanding Economics	Theory	4	100
				Total Credit (Year 1)	**52**	
2	III	MEC-301	Development Economics	Theory	5	100
		MEC-302	Public Finance	Theory	5	100
		MEC-303	Quantitative Methods	Theory	5	100
		Optional (any one) MEC-304A : Econometrics MEC-304B : Labour Economics MEC-304C : Regional Economics MEC-304D : Global Economic Issues		Theory	5	100
		MEC-305	Research Project	Project Report	4	--
2	IV	MEC-401	Environmental Economics	Theory	5	100
		MEC-402	Gandhian Economics	Theory	5	100
		Optional (any one) MEC-403A : Economics of Human Resource Development MEC-403B : Economics of Cooperation MEC-403C : Economics of Marketing MEC-403D : Indian Environmental Policies		Theory	5	100
		Optional (any one) MEC-404A : Economics of Ambedkar MEC-404B : Economics of Transport MEC-404C : Economic Systems MEC-404D : Economics of Happiness		Theory	5	100
		MEC-405	Research Project	Project Report	4	100 (MEC305 + MEC 405)
				Total Credit (Year 2)	**48**	
Total Credits = 100 (Year 1+2) **Total Marks = 1900 (Semester 1+2+3+4)**						

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY AND GEOINFORMATICS
Faculty of Science & Technology Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith
Semester Based Syllabus and Scheme of Examination (NEP-2020)
(w. e. f. 2022-23)

Geography: M.A./M.Sc. 1st Year (I and II Semester)

Semester	Paper	Total Credits	Total Marks (100)	No. of Lectures
I st	I-GR101: Geomorphology	4	25+75	60
	II-GR102: Advanced Geography of India	4	25+75	60
	III-GR103: Economic Geography	4	25+75	60
	IV-GR104: Environmental Geography	4	25+75	60
	V-GRP105: Practical Cartography and Field – Cum - Lab Work	4	25+75	120
	Project/Dissertation	4		
	TOTAL	**24**		
2nd	I-GR201:Physical Landscape	4	25+75	60
	II-GR202: Hydrology and Oceanography	4	25+75	60
	III-GR203: Geography of Resources	4	25+75	60
	IV-GR204: Basics of Remote Sensing	4	25+75	60
	V-GRP205: Practical Map Projections, Representation of Statistical Data and Aerial Photographs	4	25+75	120
	Project/Dissertation	4	100	I & II Sem. combined
	TOTAL	**24**		
	GRAND TOTAL	**48**	1100	

नोट:

1: विद्यार्थी वर्ष के अंत मे दोनों सेमेस्टर(प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) में की गयी शोध परियोजना का संयुक्त परियोजना (Dissertation) जमा करेगा जिसका मूल्यांकन वर्ष के अंत मे सुपरवाइज़र एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित वाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों मे किया जाएगा| इस प्रकार इस परीक्षा मे कुल 08 क्रेडिट होंगे |

2: विद्यार्थी प्रथम वर्ष के दोनों सेमेस्टेरों मे से किसी एक सेमेस्टर मे दूसरे संकाय से माइनर इलेक्टिव पेपर का चयन करेगा जो 04 क्रेडिट का होगा एवं उसका मूल्यांकन 100 (25 + 75) अंकों मे किया जाएगा|

3: इस प्रकार प्रथम वर्ष के दोनों सेमेस्टर मिलाकर कुल 52 क्रेडिट के होगें| प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) को मिला कर कुल पूर्णांक 1100 अंकों का होगा|

4: प्रथम सेमेस्टर का प्रायोगिक पेपर GR 105 एवं द्वितीय सेमेस्टर का प्रायोगिक पेपर GR 205 की प्रायोगिक परीक्षाएं आंतरिक (विभागीय) एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित वाह्य परीक्षक की उपस्थिति में विश्वविद्यालय / महाविद्यालय में विभाग द्वारा सम्पन्न की जाएगी । इसकी परीक्षा सैद्धांतिक प्रश्न पत्र (Theory paper) के साथ नहीं होगी।

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY AND GEOINFORMATICS
Faculty of Science & Technology Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith
Semester Based Syllabus and Scheme of Examination (NEP-2020)
(w.e.f. 2022-23)

Geography: M.A./M.Sc. 2nd Year (III & IV Semester)

Semester	Paper	Total Credits	Total Marks (100)	No. of Lectures
3rd	I-GR301: Climatology	4	25+75	60
	II-GR302: Geo-informatics and Geographic Information System (GIS) Applications	4	25+75	60
	III-GR303: Students are required to opt any one of the following: GR303A: Urban Geography GR303B: Population Geography GR303C: Disaster Management	4	25+75	60
	IV-GR304: Students are required to opt any one of the following: GR304A: Geography of Rural Settlements GR304B: Geography of Tourism GR304C: Industrial Geography	4	25+75	60
	V-GRP305: Practical and Surveying	4	25+75	120
	Project/Dissertation	4		
	TOTAL	**24**		
4th	I-GR401: Geographical Thoughts	4	25+75	60
	II-GR402: Research Methods &Techniques	4	25+75	60
	III-GR403: Students are required to opt any one of the following: GR403A: Agricultural Geography GR403B: Transport Geography GR403C: Regional Planning & Development	4	25+75	60
	III-GR404: Students are required to opt any one of the following: GR404A: Geography of Rural Development GR404B: Political Geography GR404C: Population & Development	4	25+75	60
	V- GRP405: Study Tour and Report and Viva- Voce	4	25+75	120
	Project/Dissertation	4	100	III & IVSem. Combined
	TOTAL	**24**		

नोट:

1: विद्यार्थी द्वितीय वर्ष के अंत मे दोनों सेमेस्टर (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) मे की गयी शोध परियोजना का संयुक्त Dissertation जमा करेगा जिसका मूल्यांकन वर्ष के अंत मे सुपरवाइज़र एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित वाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों मे किया जाएगा | इस प्रकार इस वर्ष के कुल 08 क्रेडिट होंगे |

2: इस प्रकार द्वितीय वर्ष के (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) दोनों सेमेस्टर मिलाकर कुल 48 क्रेडिट होगा | द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) का पूर्णांक 1100 अंकों का होगा |

3: चतुर्थ सेमेस्टर मे विद्यार्थी द्वारा चयनित एलेक्टिव पेपर्स का कोड 400 की संख्या मे उनके क्रमांक के जोड़ के आधार पर होगा| यथा-यदि विद्यार्थी 5वे क्रमांक के इलेक्टिव पेपर का चयन करता है तो उसका कोड 405 हो जाएगा |

जॉच सूची

आवेदन–पत्र जमा करने से पहले अभ्यर्थी निम्नलिखित बातों की जाँच अवश्य ही कर लें ।

1. आवेदन–पत्र हर दृष्टि से पूर्ण है तथा घोषणा अभ्यर्थी प उसके पिता/ अभिभावक के द्वारा ही हस्ताक्षरित है। अपूर्ण आवेदन–पत्र निरस्त कर दिये जायेंगे ।
2. पासपोर्ट आकार के नवीनतम् फोटो आवेदन पत्र पर सही जगह गोंद से चिपके हैं तथा सभी स्व0 हस्ताक्षरित है ।
3. आवेदन–पत्र के साथ श्रेणी (वर्ग), उपश्रेणी (उपवर्ग) आदि की उपयुक्त प्रविष्टियाँ आवेदन–पत्र में सही जगह भर दें, अन्यथा किसी भी दावेपर विचार नहीं किया जायेगा ।

काउन्सिलिंग के समय निम्नलिखित के साथ उपस्थित हों ।

1. मूल प्रवेश पत्र
2. हाईस्कूल या समकक्ष परीक्षा मूलअंक तालिका एवं प्रमाण–पत्र तथा उसकी छाया प्रतियाँ ।
3. इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा मूल अंक तालिका एवं प्रमाण–पत्र तथा उसकी छाया प्रतियाँ ।
4. स्नातक या समकक्ष परीक्षा मूल अंक तालिका एवं प्रमाण–पत्र तथा उनकी छाया प्रतियाँ ।
5. चरित्र प्रमाण–पत्र मूल प्रति ।
6. स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (टी.सी.)/ माइग्रेशन प्रमाण–पत्र मूल प्रति ।
7. श्रेणी (वर्ग), उपश्रेणी (उपवर्ग), अधिभार सम्बन्धित मूल प्रमाण–पत्र एवं छाया पति ।
8. निर्धारित शैक्षणिक शुल्क ।

महाविद्यालय - वन्दना

अनन्त आलोक विश्वमूर्त,
सफल हमारी ये साधना हो ।
न दीनता हो न पलायन,
स्वदेश सेवा की भावना हो ।
हमारे जीवन के पंथ दुर्गम,
बने हमारे विकास साधन ।
ये आत्मबल हो हमारा सम्बल,
हमारे जीवन की प्ररेणा हो ।